मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को दिल्ली में राजस्थान हाउस का दौरा कर नवनिर्माण कार्यों को निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, भवन निर्माण में राजस्थान की बेजोड़ स्थापत्य कला का ध्यान रखा जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि, निर्माण कार्यों में गति लाने की जरुरत है, ताकि निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरा हो सके।

मु.मंत्री भजनलाल ने राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण का निरीक्षण किया

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि, तय समय सीमा में काम पूरा किया जाए और गुणवत्ता के साथ काम पूरा किया जाए।
- नई दिल्ली के लुटियन्स ज़ोन में 7050 वर्ग गज में स्थित राजस्थान हाउस का इन दिनों नवीनीकरण चल रहा है।

नई दिल्ली/जयपुर, 10 जून (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि समय-सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि, ऐतिहासिक राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। 136 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस राजस्थान हाउस के 2 बेसमैंट स्ट्रक्चर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लोअर और अपर बेसमैंट में हवा के लिए डक्ट लगाने तथा फायर फाईटिंग के लिए पाईप इत्यादि लगाने का कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने बताया कि, लोअर बेसमैंट में अंडर ग्राउंड वॉटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य भी प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, भवन के पुनर्निर्माण के कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं।

नई दिल्ली के ''लुटियंस जोन'' में 7050 वर्ग मीटर में पुनः निर्मित हो रहा राजस्थान हाउस, राजस्थान सरकार का एक राजकीय गेस्ट हाउस है। इसके पुनर्निर्माण में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन क्लैडिंग का कार्य किया जाएगा।

नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमैंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमैंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं, प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं होंगी।

सचिन पायलट ने टोंक में शहीद स्मारक का अनावरण किया

पायलट ने इस अवसर पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया तथा वीरांगनाओं को सम्मानित किया

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोमवार को टोंक का एक दिवसीय दौरा किया।
- टोंक प्रवास में पायलट ने सुनेला हाजीपुरा गांव में बने सामुदायिक भवन तथा देवपुरा गांव में बने भीमराव अम्बेडकर भवन का भी लोकार्पण किया।

टोंक, 10 जून (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट सोमवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर रहे। पायलट ने नगर परिषद द्वारा 1 करोड़ 28 लाख की लागत से बने शहीद स्मारक का अनावरण कर शहीदों को नमन किया एवं विरांगनाओं को सम्मानित किया। लोकार्पण के दौरान अपने सम्बोधन में पायलट ने कहा कि, सेना और देश हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी हैं। पायलट ने कहा कि, सैनिक जब देश के लिए वर्दी पहनता है तो उसका दिल गर्व से देश के प्रति सम्मान से भर उठता है, सैनिकों के परिवारों की सभी समस्याओं के निराकरण के लिए मैं उनके साथ हूं। इस मौके पर लगभग दो दर्जन से अधिक शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

पायलट ने पं.स. टोंक की ग्राम पंचायत देवपुरा के ग्राम सुनेला हाजीपुरा में, विधायक स्थानीय विकास कोष से 10 लाख रूपये की स्वीकृत राशि से निर्मित सामुदायिक भवन तथा ग्राम देवपुरा में विधायक स्थानीय विकास कोष से 10 लाख रूपये की राशि से निर्मित भीमराव अम्बेडकर भवन का लोकार्पण किया। पायलट ने सर्किट हाउस में कांग्रेस के जिला स्तरीय सदस्यों के साथ जनसुनवाई भी की।

पायलट ने कहा, मैं अपने आप को बड़ा खुश किस्मत समझता हूं कि 11-12 वर्षो से मैं सैना में काम कर रहा हुं, मेरे लिए खुशी की बात है कि यह तीसरी पीढी है, मेरे दादाजी, मेरे पिताजी स्व. पायलट एयर फोर्स में थे। संयोग की बात है कि, एक विधायक व सैनिक के नाते मुझे शहीद स्मारक के उद्घान का संयोग मिला है। इस दौरान पायलट ने अग्निवीर योजना की जगह पुरानी भर्ती को दुबारा लागू करने की बात कहीं। इसके बाद पायलट ने संर्किट हाउस में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही जलदाय विभाग, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान लगभग 100 शिकायत पत्र पायलट के समक्ष रखे गए। अधिकाशं शिकायते बिजली, पानी व स्वास्थ्य को लेकर थी। पायलट ने मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के आदेश दिए।

पायलट ने अपने सम्बोधन में कहा कि, विगत कार्यकाल में भी टोंक में अनेक विकास कार्य करवाये गये हैं। विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनावों में टोंक से कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि विकास का यह क्रम नहीं टूटेगा और जनता के कामों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने देवपुरा ग्राम पंचायत में तीन विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पायलट ने देवपुरा गाँव में सामुदायिक स्वास्थ्य भवन एवं अम्बेडकर भवन टोंक की जनता को समर्पित किया। पायलट ने 1.28 करोड़ रुपय की लागत से बने शहीद स्मारक का अनावरण कर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित किया।

पहली फाइल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयराम ने कहा कि दरअसल 16वीं किश्त जनवरी में ड्यू हो गई थी और प्रधानमंत्री की चुनावी गुणा भाग के कारण यह किश्त एक माह विलम्बित हो गई थी जबकि इसके बाद 17वीं किश्त अप्रेल/मई में देय हो गई थी परन्तु यह किश्त चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता लग जाने के कारण निलम्बित हुई थी।

जयराम रमेश ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री को सच्चे मायने में किसानों की परवाह है तो उन्हें ये पाँच काम करने चाहिए:-

- एम.एस.पी. को कानूनी दर्जा दें, स्वामीनाथन आयोग के फार्मूला अनुसार,
- किसानों की कर्ज माफी और इसको प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के लिए एक स्वामी आयोग बनाए,
- फसल नुकसान के 30 दिनों के अंदर, गारंटीकृत बीमा भुगतान की राशि सीधे बैंक खाते में जमा हो,
- उचित आयात-निर्यात नीति बन, किसानों से सलाह-मशविरा के बाद और
- कृषि के काम आने वाली आवश्यक वस्तुओं पर अब जी.एस.टी. नहीं लगे।

7 राज्यों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा एकमात्र सीट पर उपचुनाव होगा। यह विधानसभा सीट कमलेश प्रताप शाह के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है।

इसी प्रकार पंजाब में जालंधर पश्चिम की सीट से शीतल अंगुराल से इस्तीफा देने के कारण होगा।

पश्चिम बंगाल में 3 सीटों पर उपचुनाव वर्तमान विधायकों के द्वारा त्याग पत्र देने से होंगे, इसमें मुकुट अधिकारी की सीट भी शामिल है और एक उपचुनाव मानिकताला के विधायक साधन पांडे की मृत्यु होने के कारण होगा।

हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर, देहरा व नालगढ़ की तीन सीटों के उपचुनाव वहाँ के वर्तमान विधायकों द्वारा इस्तीफा देने के कारण कराए जा रहे हैं।

मोदी चन्द्रबाबू नायडू के शपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टी.डी.पी. के सत्ता में आ जाने के बाद आंध्र प्रदेश की राजधानी के निर्माण में जोरदार तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलुगूदसम पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन किया था। इस निर्णय ने एन.डी.ए. को बहुमत के जादुई आंकड़े को पार करने में मदद की। प्रधानमंत्री अब अमरावती के पुनर्निर्माण को उपकृत करेंगे और उम्मीद है कि वे जब मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होंगे तब नई राजधानी के प्रोजैक्ट की आधारशिला रखेंगे। टी.डी.पी. सुप्रीमो को यह आशा भी है कि प्रधानमंत्री आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के निर्माण के लिए स्पेशल पैकेज भी देंगे। अब तक दोनों, तेलुगू भाषी राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की हैदराबाद संयुक्त राजधानी रहता आया है, लेकिन 2 जून को समाप्त हुई दस वर्ष की अवधि के बाद अब यह संयुक्त राजधानी नहीं है।

आंध्र प्रदेश सरकार के क्रियाकलापों का संचालन अमरावती और विशाखापट्टनम के अन्यंत्र भी हो रहा है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी ने राज्य के लिए तीन राजधानियां रखने का विकेन्द्रित विकल्प चुना था, लेकिन अब यह राजधानी कमर्शियल हब विजयवाड़ा से लगते हुए अमरावती में बनाई जाएगी। नायडू जब वर्ष 2016 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब राज्य के विभाजन के बाद नायडू की अपील पर किसानों ने नई राजधानी के निर्माण के लिए कई सौ एकड़ भूमि दान में दी थी।

आंध्र प्रदेश विधानसभा के 4 जून को आए नतीजों में टी.डी.पी. की जीत हुई थी और चन्द्रबाबू नायडू का अमरावती के नजदीक गन्नावरम में 12 जून को शपथ लेना तय है। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री मोदी भी उपस्थित होंगे और उम्मीद है कि वह इस मौके पर वह अमरावती के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखेंगे।

निस्संदेह ! अमरावती देश के प्रमुख पावर सैन्टर्स में से एक होगी क्योंकि लोकसभा में टी.डी.पी. के 16 और उसकी सहयोगी जनसेना के 2 सांसद है, जिसके कारण वह मोदी के नेतृत्व वाली अल्पमत एन.डी.ए. सरकार पर भारी दबाव बनाए रखेंगे। जद (यू) के 12 सांसद निर्वाचित होकर आए हैं और टी.डी.पी. तथा जद (यू) के सहयोग के बिना मोदी सरकार की हालत पतली हो जाएगी। यद्यपि, टी.डी.पी. और जद (यू) के बिना भी एन.डी.ए. सरकार के पास काम चलाऊ बहुमत हो सकता है, लेकिन इनकी उपस्थिति सरकार को जरुरी स्थायित्व प्रदान करती है।

इसीलिए, मोदी सावधानीपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं तथा उन्होंने टी.डी.पी. की स्पीकर पद की डिमाण्ड को सिरे से खारिज नहीं किया है। अमरावती से प्राप्त नवीनतम खबरों के अनुसार लोकसभा स्पीकर के पद की मांग को लेकर टी.डी.पी. अड़ी हुई है और इस पर भी कि चन्द्रबाबू नायडू को एन.डी.ए. की समन्वय कमेटी का संयोजक बनाया जाए।

नायडू की पार्टी इससे पहले भी एन.डी.ए. गठबंधन का हिस्सा रह चुकी है और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. में भी वह संयोजक थे, लेकिन, गोधरा कांड के बाद हुए गुजरात दंगों के बाद उन्होंने एन.डी.ए. छोड़ दिया था।

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिन्हा को लीगल नोटिस भेजा और कहा है कि उन पर बेहद अपमानजनक आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप भाजपा नेता की मान प्रतिष्ठा के लिए बेहद घातक है। यह बयान उनकी छवि खराब करने के लिए जान बूझकर दिया गया है। नोटिस कहता है कि, उक्त ये आरोप झूठे, अपमानजनक फर्जी हैं और साजिशन लगाए गए हैं। और इस आरोप ने सार्वजनिक रूप से मेरे क्लाइंट के मान प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

चार बड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने पहले निर्णय में, मंत्रिमण्डल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए तीन करोड़ घर बनाने की योजना को अनुमति दे दी। सोमवार को सवेरे, प्रधानमंत्री मोदी ने 9.3 करोड़ किसानों में वितरित करने को अधिकृत करने वाली अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए।

रविवार शाम को राष्ट्रीय भवन में नये और पुराने 30 केन्द्रीय मंत्रियों ने शपथ ली। पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री और 36 वरिष्ठ मंत्रियों ने भी शपथ ली।

एक प्रश्न यद्यपि अभी भी शेष है कि, लोकसभा स्पीकर का पद किसे मिलेगा? बहुत सी रिर्पोटों ने दावा किया है कि, टी.डी.पी. और जद (यू), जो कि इस चुनाव में किंगमेकर बनकर उभरे हैं, इस मुख्य पद की तरफ देख रहे हैं। लेकिन भाजपा के सूत्रों ने कहा, वो इस पद को देने के इच्छुक नहीं है। शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री का तत्काल एजेंडा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को संसद का सत्र बुलाने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल का राष्ट्रपति को औपचारिक आग्रह अपेक्षित होता है। इस सत्र में दोनों सदनों में राष्ट्रपति का संबोधन, जिसमें वह अगले कार्यकाल के लिए सरकार की विजय और प्राथमिकताओं की रूपरेखा बताना शामिल है।

पाकिस्तान से भी आई प्र.मंत्री मोदी को बधाई

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मोदी को एक्स पर बधाई संदेश भेजा। पूर्व प्र.मंत्री नवाज शरीफ ने कहा, नतीजे बता रहे हैं कि, भारत की जनता को मोदी पर भरोसा है

- नवाज़ शरीफ ने कहा, तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर मोदी जी को तहे दिल से बधाई। हालिया चुनाव में आपकी पार्टी की सफलता बताती है कि, आपके नेतृत्व में लोगों को भरोसा है। आइए हम मिलकर घृणा को खत्म करें और आशाओं के द्वार खोलें।

नई दिल्ली, 10 जून। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही पाकिस्तान से भी बधाई संदेश आने लगे हैं। पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए बधाई दी। अब पाकिस्तान की सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के अध्यक्ष नवाज़ शरीफ ने तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, नतीजे बता रहे हैं कि भारत की जनता को आप में भरोसा है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी शहबाज शरीफ को शुक्रिया कहा है।

नवाज़ शरीफ ने कहा, तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर मोदी जी को तहे दिल से बधाई। हालिया चुनाव में आपकी पार्टी की सफलता बताती है कि आपके नेतृत्व में लोगों को भरोसा है। आइए हम मिलकर घृणा को खत्म करें और आशाओं के द्वार खोलें। मिलकर दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों के भविष्य को संवारने का प्रयास करें। बता दें कि चुनाव में एन.डी.ए. की सफलता के बाद कई देशों से नरेंद्र मोदी को बधाई मिली लेकिन पाकिस्तान की तरफ से शुभकामनाएं आने में 6 दिन का वक्त लग गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा भी गया था कि, शपथ लेने के बाद ही बधाई दी जाएगी।

नवाज शरीफ के छोटे भाई और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी है। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के लिए नरेंद्र मोदी को बधाई। प्रधानमंत्री ने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेट्टेरी ओरपो और अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई को जवाब दिया। बता दें कि, पहली बार 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे तब शपथ ग्रहण में पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया गया था। हालांकि बाद में दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। 2019 के चुनाव से पहला पुलवामा आतंकी हमले की वजह से पाकिस्तान से काफी दूरी आ गई। इसके अलावा 2019 में नरेंद्र मोदी की सरकार में ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया।

प्र.मंत्री शेख हसीना मिलीं सोनिया गांधी से

- बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से सोमवार को उनके आवास पर मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

नयी दिल्ली 10 जून (वार्ता)। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से सोमवार को उनके आवास पर मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

सोनिया गांधी ने वॉट्सऐप पर यह जानकारी देते हुए बताया कि, हसीना तथा श्रीमती गांधी के बीच परस्पर रिश्तों को मजबूत करने तथा अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं।

कांग्रेस नेता ने व्हाट्स ऐप पोस्ट पर इस मुलाकात का एक वीडियो जारी करते हुए लिखा ''बंगलादेश की प्रधान मंत्री महामहिम शेख हसीना वाजेद जी सीपीपी अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी के साथ आज दोपहर नई दिल्ली में। हमने भारत और बंगलादेश के बीच विश्वास, सहयोग और आपसी विकास की प्रतिबद्धता पर आधारित प्राकृतिक बंधन को और मजबूत करने के लिए कई विषयों पर चर्चा की।

सुरेश गोपी के मंत्री पद त्यागने की खबरें खूब चलीं दिनभर

नई दिल्ली, 10 जून। केरल के त्रिशूर से भाजपा के सांसद बने सुरेश गोपी ने उन खबरों को खारिज किया है, जिनमें दावा किया गया है कि वे मंत्री पद छोड़ सकते हैं। उन्होंने रविवार को ही राज्य मंत्री की शपथ ली थी। सुरेश गोपी ने कहा कि, कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म गलत खबर फैला रहे हैं कि मैं मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। यह पूरी तरह गलत है।

सुरेश गोपी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम केरल के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बात अपने एक्स अकाउंट पर कही है।

सुरेश गोपी के बारे में यह भी कहा जा रहा था कि वे कैबिनेट मंत्री या फिर कम से कम राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन राज्य मंत्री बनाए जाने से नाराज हैं।

महाराष्ट्र के सहयोगी दलों ने एन.डी.ए. में नाराजगी के सुर बुलंद किये

एन.सी.पी. और शिवसेना (शिंदे गुट) का कहना है कि, हमारे सात सांसद होने के बावजूद एक मंत्री पद मिला है जबकि, बिहार से जीतन राम मांझी अपनी पार्टी के अकेले सांसद हैं, फिर भी मंत्री बन गये हैं

- शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, ''हम उम्मीद कर रहे थे कि, हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम मांझी इकलौते सांसद हैं। एच.डी. कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया है।

मुंबई, 10 जून। केंद्र में एन.डी.ए. की नई सरकार बनते ही महाराष्ट्र में दो घटक दल भाजपा से नाराज हो गए हैं। पहले उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी ने नाराजगी जताई और अपने किसी भी सांसद को मंत्री पद की शपथ लेने नहीं दिया और अब शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने नाराजगी जाहिर की है। शिवसेना (शिंदे गुट) की शिकायत है कि उसके सात सांसद होने के बावजूद सिर्फ एक राज्यमंत्री का पद दिया गया, जबकि उनसे कम सांसदों वाले दलों को कैबिनेट मंत्री का पद दिया गया।

शिवसेना के चीफ व्हिप श्रीरंग बारणे ने कहा, ''हम उम्मीद कर रहे थे कि हमें भी कैबिनेट पद दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चिराग पासवान के पांच सांसद हैं, जीतनराम मांझी इकलौते सांसद हैं। एचडी कुमारस्वामी की पार्टी के भी दो ही सांसद हैं। फिर भी उन लोगों को कैबिनेट मंत्री पद दिया गया, जबकि हमारे पास तो सात सांसद थे फिर राज्य मंत्री का एक ही पद क्यों दिया गया।''

श्रीरंग बारणे ने दावा किया कि उनकी पार्टी शिवसेना को उसकी स्ट्राइक रेट देखते हुए कैबिनेट मंत्री दिया जाना चाहिए था। उन्होंने पार्टी को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोटे से सिर्फ एक राज्य मंत्री पद दिए जाने पर नाराजगी जताई। बारणे इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने सहयोगी अजित पवार की एनसीपी का भी उल्लेख किया और कहा कि जो शख्स परिवार से बगावत कर आपके साथ आया, उसे भी कम से कम एक कैबिनेट पद मिलना चाहिए था।

उन्होंने भाजपा सांसद उदयनराजे भोसल को भी मंत्री पद नहीं देने पर नाखुशी जताई।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार देश की बागडोर संभाली। उनके साथ 71 अन्य सांसदों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। एनसीपी को एक राज्यमंत्री पद ऑफर किया गया था लेकिन अजित पवार ने उसे ठुकरा दिया। एनसीपी का तर्क था कि प्रफुल्ल पटेल पहले केंद्र में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं, इसलिए वे राज्य मंत्री का पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह एक तरह से डिमोशन होगा। इसके अगले ही दिन शिंदे गुट ने भी अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है।

दरअसल, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम नेता जीतनराम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, जबकि वे अपनी पार्टी के इकलौते सांसद हैं।

इसी तरह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, जबकि उनकी पार्टी के दो ही सांसद हैं। चिराग पासवान के पास पांच हरी सांसद हैं और वे युवा हैं, फिर भी उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। शिवसेना को यह बात अटपटी लग रही है।

शपथ ग्रहण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देने की स्थिति में नहीं है।

सूत्र बताते हैं कि सहयोगी दलों की मान-मनुहार तब तक ही की गई जब तक कि मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं ले ली। मोदी के लिए निश्चित रुप से कहा जा सकता है कि वह अब भी नई बोतल में पुरानी शराब की भांति हैं।

एन.डी.ए. ने अपने सहयोगियों के साथ जिस तरह का बर्ताव किया है, उसे लेकर विपक्ष ने उनकी कड़ी आलोचना की है।

विपक्ष के नेताओं का कहना है कि भाजपा ने इस बारे में अंतिम रुप से कुछ नहीं कहा है और भाजपा के सहयोगी दलों की भी इस संदर्भ में अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908